647510

**BRS2HinF501B** **Seat No :________**

# B.R.S. Semester - 2 (*CBCS*) Examination
## March/April – 2026 (New Course)
## HINDI (FND-5)

**Time: 2:30 Hours** **Marks:70**

**Instructions:**

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

---

प्रश्न- १ मैथिलीशरण गुप्त के जीवन - कवन पर प्रकाश डालिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- १ 'जयद्रथ वध' खंडकाव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए ।

प्रश्न- २ सूचनानुसार उत्तर दीजिए ।

(अ) हिंदी के मानक स्वरों पर प्रकाश डालिए । (०५)

[ब] निम्नांकित में से किन्ही पांच मुहावरों के अर्थ दीजिए । (०५)

१) श्री गणेश करना ।
२) नौ दो ग्यारह होना ।
३) कान भरना ।
४) आंखों का तारा ।
५) नाक में दम करना ।
६) अपना उल्लू सीधा करना ।
७) उंगली पर नचाना । (०४)

[क] निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती में अनुवाद कीजिए।

" धरती पर यदि पेड़ नहीं होते, तो यह दुनिया कितनी बेरंग होती और जिंदगी कितनी नीरस बन जाती? वैसे सभ्यता का ज्यौं-ज्यौं विस्तार होता गया है, पृथ्वी की वन - संपदा नष्ट होती गई है । ईंट, सीमेंट, लोहे का जाल बढ़ता गया है । विज्ञान एवं औद्योगिकरण ने जीवन की हरियाली छीन ली है, वन क्रमशः क्षीण होते जा रहे हैं । इसलिए आज वृक्षारोपण को एक कार्यक्रम, एक अभियान, एक आंदोलन के रूप में चलाने की आवश्यकता है।"

प्रश्न- ३ निम्नांकित में से किन्ही दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । (१४)

१) अधिकार खोकर बैठ रहना यह महादुष्कर्म है,
न्यायार्थ अपने बंधु को भी दण्ड देना धर्म है ।"

२) "हे तात! ताजिए सोच को है काम ही क्या क्लेश का?
मैं द्वारा उद्घाटित करूंगा व्यूह बीच प्रवेश का ।"

३) "परिणाम को सोचे बिना जो लोग करते काम है ।
वे दुख में पड़कर कभी पाते नहीं विश्राम है ।"

४) "रण में मरण क्षत्रिय जनों को स्वर्ग देता है सदा,
है कौन ऐसा विश्व में जीता रहे जो सर्वदा ।"

प्रश्न- ४ खंडकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जयद्रथ वध' खंडकाव्य का मूल्यांकन कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- ४ अर्जुन का चरित्र चित्रण कीजिए ।

प्रश्न- ५ जयद्रथ वध खंडकाव्य के संदेश एवं उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए । (१४)

अथवा

प्रश्न- ५ अभिमन्यु का चरित्र चित्रण कीजिए ।

******************